सोमवार, 4 मई, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

9 मैचों में से 7 में हार मुंबई के लिए प्लेऑफ में पहुंचना काफी मुश्किल

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

लेखक प्रसून जोशी को प्रसार भारती का अध्यक्ष नियुक्त किया गया

Page-05

महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए आरोपों का मामला पिछले कुछ वर्षों से चर्चा में है। यह मुद्दा खेल प्रशासन और खिलाड़ियों की सुरक्षा से सीधे जुड़ा हुआ है। वर्तमान में मामला अदालत में लंबित है और गवाही की प्रक्रिया जारी है।

विनेश फोगाट का बड़ा खुलासा

6 महिला पहलवानों में मैं भी शामिल

- विनेश फोगाट ने पहली बार खुद को 6 शिकायतकर्ता महिला पहलवानों में शामिल बताया।
- रैंकिंग प्रतियोगिता की निष्पक्षता पर सवाल, आयोजन स्थल को लेकर गंभीर आरोप।

ओलंपियन पहलवान और जुलाना से कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने एक वीडियो संदेश जारी कर खेल और राजनीतिक जगत में नई बहस छेड़ दी है। उन्होंने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने वाली छह महिला पहलवानों में वह स्वयं भी शामिल हैं।विनेश ने अपने बयान में कहा कि करीब तीन साल पहले महिला खिलाड़ियों के साथ हुए कथित शोषण के खिलाफ जो आंदोलन शुरू हुआ था, वह उसमें सक्रिय रूप से जुड़ी रही हैं। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार पीड़ितों की पहचान उजागर नहीं की जाती, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने खुद सामने आने का निर्णय लिया। उनके अनुसार, शिकायत और गवाही देने वाली छह महिला खिलाड़ियों में से एक 'विक्टिम' वह भी हैं। फिलहाल यह मामला अदालत में विचाराधीन है और गवाहियों की प्रक्रिया जारी है।इस खुलासे के साथ ही विनेश फोगाट ने कुश्ती से जुड़े हालिया आयोजनों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने उत्तर प्रदेश में आयोजित की जा रही एक रैंकिंग प्रतियोगिता को लेकर आपत्ति जताई और आरोप लगाया कि यह आयोजन बृज भूषण शरण सिंह से जुड़े निजी शिक्षण संस्थान में कराया जा रहा है। विनेश का कहना है कि ऐसे स्थान पर निष्पक्ष प्रतियोगिता की उम्मीद करना मुश्किल है। उन्होंने आशंका जताई कि वहां निर्णायकों और अंकों को प्रभावित कर परिणामों को बदला जा सकता है, जिससे खिलाड़ियों के साथ अन्याय हो सकता है।विनेश ने यह भी बताया कि वह पिछले डेढ़ साल से कुश्ती से दूर थीं, लेकिन हाल के महीनों में उन्होंने दोबारा प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। उन्होंने अपने संघर्ष और समर्पण का जिक्र करते हुए कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य फिर से देश के लिए पदक जीतना और तिरंगे का मान बढ़ाना है। उनका यह बयान न सिर्फ खेल जगत में बल्कि राजनीति में भी व्यापक चर्चा का विषय बन गया है।

मित्तल-पूनावाला समूह ने 1.65 अरब डॉलर में खरीदी हिस्सेदारी

आईपीएल की दुनिया में एक बड़ी कारोबारी डील सामने आई है, जिसमें राजस्थान रॉयल्स के स्वामित्व में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। मौजूदा सीजन में शानदार प्रदर्शन करने वाली इस फ्रेंचाइजी को अब नए निवेशकों का साथ मिलने वाला है। इस डील में देश के प्रमुख उद्योगपति लक्ष्मी एन मित्तल और आदर पूनावाला शामिल हैं, जिन्होंने मिलकर टीम में हिस्सेदारी खरीदने का अंतिम समझौता किया है।करीब 1.65 अरब डॉलर में हुए इस सौदे ने एक बार फिर आईपीएल टीमों की बढ़ती वैल्यूएशन को सुर्खियों में ला दिया है। गौरतलब है कि टीम के मौजूदा मालिक मनोज बडाले ने इसे 2008 में केवल 67 मिलियन डॉलर में खरीदा था, जो अब कई गुना बढ़ चुकी है।नई डील के तहत मित्तल परिवार के पास लगभग 75 फीसदी हिस्सेदारी होगी, जबकि आदर पूनावाला करीब 18 फीसदी हिस्सेदारी के साथ साझेदार बनेंगे। बाकी 7 फीसदी हिस्सेदारी मौजूदा निवेशकों के पास रहेगी, जिसमें मनोज बडाले भी शामिल रहेंगे।इस बदलाव के साथ टीम के बोर्ड में भी नए नाम जुड़ेंगे। इसमें लक्ष्मी एन मित्तल, आदित्य मित्तल, वनिशा मित्तल-भाटिया, आदर पूनावाला और मनोज बडाले शामिल होंगे।

पाकिस्तान ने ईरान के लिए खोले बंदरगाह

क्षेत्रीय तनाव के बीच पाकिस्तान ने बड़ा कदम उठाते हुए ईरान के लिए अपने सभी समुद्री बंदरगाह खोल दिए हैं। अमेरिकी प्रतिबंधों और ब्लॉकेड के चलते जहां ईरान के अपने बंदरगाहों पर गतिविधियां प्रभावित हैं, वहीं पाकिस्तान के इस फैसले से ईरान को आयात-निर्यात में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।इस निर्णय के बाद ईरान अब अपने सामान का निर्यात और जरूरी वस्तुओं का आयात पाकिस्तानी बंदरगाहों के जरिए कर सकेगा। यह कदम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि इसे सीधे तौर पर अमेरिका की मौजूदा नीति के विपरीत माना जा रहा है।इस बीच, डोनाल्ड ट्रंप ने एक बयान में ईरान पर लगाए गए ब्लॉकेड को "फ्रेंडली" बताया, जिसने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जब उनसे पाकिस्तान द्वारा ईरान के लिए पहले से खोले गए जमीनी मार्ग का जिक्र किया गया, तो उन्होंने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी है। इससे संकेत मिलता है कि अमेरिका इस पूरे घटनाक्रम से अनजान नहीं है।सूत्रों के अनुसार, कुछ जानकारों का मानना है कि पाकिस्तान को यह कदम उठाने के लिए अमेरिकी प्रशासन की अप्रत्यक्ष सहमति मिल सकती है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर अमेरिका ईरान के खिलाफ सख्त रुख बनाए हुए है, लेकिन इस घटनाक्रम ने उसकी रणनीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं।पाकिस्तान पहले ही ईरान के लिए जमीनी रास्ते खोल चुका था और अब बंदरगाहों की सुविधा देने से दोनों देशों के बीच व्यापारिक गतिविधियां और तेज हो सकती हैं। इससे ईरान की अर्थव्यवस्था को राहत मिलने की संभावना है, खासकर पेट्रोलियम और अन्य जरूरी वस्तुओं के व्यापार में। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान इस समय संतुलन की नीति अपना रहा है—एक ओर वह ईरान के साथ सहयोग बढ़ा रहा है, वहीं दूसरी ओर अमेरिका के साथ अपने संबंधों को भी बनाए रखने की कोशिश कर रहा है।

हज यात्रियों को बड़ी राहत

किराया बढ़ोतरी 400 डॉलर से घटकर 100 डॉलर

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने हज यात्रा के बढ़ते किराए को लेकर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय तनाव और युद्ध जैसे हालात के कारण एयरलाइंस कंपनियों ने किराया बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था। उन्होंने बताया कि एयरलाइंस ने करीब 400 डॉलर तक किराया बढ़ाने की मांग रखी थी, जिससे आम और आर्थिक रूप से कमजोर मुस्लिम यात्रियों पर भारी बोझ पड़ सकता था।इस चुनौती को देखते हुए सरकार ने तुरंत हस्तक्षेप किया और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने एयरलाइंस कंपनियों के साथ कई दौर की बातचीत की। सरकार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि हज यात्रा आम लोगों की पहुंच से बाहर न हो।सरकारी प्रयासों के बाद बड़ी राहत मिली और प्रस्तावित 400 डॉलर की बढ़ोतरी को घटाकर सिर्फ 100 डॉलर कर दिया गया। अब हज समिति के माध्यम से जाने वाले यात्रियों के लिए किराया केवल 100 डॉलर बढ़ेगा, जबकि प्राइवेट टूर ऑपरेटर के जरिए जाने वालों के लिए यह बढ़ोतरी 150 डॉलर तक सीमित रहेगी।मंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि हर वर्ग के लोग, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर, आसानी से हज यात्रा कर सकें। इस फैसले से हज यात्रियों को काफी राहत मिली है और अब वे कम अतिरिक्त खर्च में अपनी यात्रा पूरी कर पाएंगे।

शुभेंदु अधिकारी ने लगाए गंभीर आरोप

मतगणना से पहले बंगाल में सियासी विवाद तेज

पश्चिम बंगाल में 4 मई 2026 को होने वाली मतगणना से पहले राजनीतिक माहौल और गरमा गया है। बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी ने काउंटिंग प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ स्क्रीनशॉट साझा करते हुए दावा किया कि मतगणना ड्यूटी में तैनात कई अधिकारी अपनी पोस्टिंग से जुड़ी संवेदनशील जानकारी सार्वजनिक कर रहे हैं।उनका आरोप है कि कुछ अधिकारी अपने विभागीय संगठनों या एसोसिएशनों को अपनी तैनाती की जगह, जिम्मेदारी और भूमिका जैसी जानकारी दे रहे हैं। साथ ही, कुछ स्प्रेडशीट और लिस्ट भी प्रसारित हो रही हैं, जिनमें अधिकारी अपनी चुनाव ड्यूटी से जुड़ी जानकारी भर रहे हैं, चाहे वह स्वेच्छा से हो या दबाव में।शुभेंदु अधिकारी का कहना है कि यह चुनावी नियमों का गंभीर उल्लंघन है और इससे निष्पक्षता पर सवाल उठ सकते हैं। उन्होंने आशंका जताई कि अगर ऐसी जानकारी राजनीतिक झुकाव वाले संगठनों तक पहुंचती है, तो संबंधित अधिकारियों पर दबाव बनाया जा सकता है, जिससे मतगणना प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने जोर देकर कहा कि काउंटिंग प्रक्रिया की निष्पक्षता काफी हद तक गोपनीयता पर निर्भर करती है। यदि अधिकारियों की तैनाती की जानकारी लीक होती है, तो इससे चुनाव परिणामों की विश्वसनीयता पर असर पड़ सकता है।इन आरोपों के साथ उन्होंने चुनाव आयोग और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए जाएं कि वे अपनी ड्यूटी से जुड़ी कोई भी जानकारी साझा न करें और ऐसे संगठनों की जांच की जाए जो इस तरह की संवेदनशील जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई–पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई–पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

वैश्विक संकट के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने की कोशिश

लीबिया में ऑयल इंडिया लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को बड़े तेल भंडार के संकेत मिले हैं। वैश्विक तनाव के बीच यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए अहम कदम है। लंबे समय में इससे आयात निर्भरता घटेगी और कीमतों पर नियंत्रण मजबूत हो सकता है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

जहां चाह वहां राह—और जब इरादे भारत जैसे मजबूत हों, तो राह केवल बनती ही नहीं, बल्कि इतिहास भी रचती है। ऐसे समय में जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है और वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है, भारत ने एक ऐसा रणनीतिक कदम उठाया है जिसने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा परिदृश्य में नई चर्चा छेड़ दी है। उत्तर अफ्रीका के देश लीबिया से आई खबर ने सभी का ध्यान खींचा है। लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता और गृह संघर्ष से जूझ रहे इस देश में भारत की सरकारी कंपनियों ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। ऑयल इंडिया लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने लीबिया के गदा मिस बेसिन में ड्रिलिंग के दौरान महत्वपूर्ण सफलता के संकेत दिए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, यहां छठे कुएं की खुदाई के दौरान बड़े तेल भंडार मिलने की संभावना जताई गई है।यह उपलब्धि ऐसे समय पर सामने आई है जब पूरी दुनिया ऊर्जा संकट और महंगाई के दबाव से जूझ रही है। भारत, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है, के लिए यह खोज बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वैश्विक स्तर पर किसी भी संघर्ष या आपूर्ति में बाधा का सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था और आम नागरिकों की जेब पर पड़ता है—पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ती हैं और महंगाई तेज हो जाती है। गदा मिस बेसिन को उच्च गुणवत्ता वाले क्रूड ऑयल के लिए जाना जाता है। यहां मिलने वाला तेल अपेक्षाकृत आसानी से रिफाइन किया जा सकता है, जिससे लागत कम होती है और उत्पादन अधिक प्रभावी बनता है। यदि भारत को यहां स्थायी उत्पादन स्थापित करने में सफलता मिलती है, तो यह केवल एक व्यावसायिक उपलब्धि नहीं होगी, बल्कि एक रणनीतिक जीत भी होगी। इससे भारत वैश्विक ऊर्जा बाजार में केवल एक खरीदार नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली भागीदार के रूप में उभर सकता है। हालांकि, लीबिया में काम करना आसान नहीं है। वहां की राजनीतिक स्थिति जटिल है, विभिन्न गुट सक्रिय हैं और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां लगातार बनी रहती हैं। ऐसे माहौल में भारतीय कंपनियों का सफलतापूर्वक काम करना उनकी क्षमता और रणनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। भारत ने यहां केवल संसाधनों की खोज नहीं की, बल्कि स्थानीय स्तर पर भरोसे और साझेदारी का मजबूत आधार भी बनाया है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या इस सफलता का असर भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर पड़ेगा? इसका सीधा जवाब फिलहाल 'नहीं' है, लेकिन दीर्घकाल में इसका सकारात्मक प्रभाव जरूर देखने को मिल सकता है। जब किसी देश के पास ऊर्जा के अपने स्रोत बढ़ते हैं, तो वह वैश्विक संकटों के प्रति कम संवेदनशील हो जाता है और कीमतों को नियंत्रित करने की उसकी क्षमता भी मजबूत होती है।भारत की ऊर्जा रणनीति केवल लीबिया तक सीमित नहीं है। रूस के सखालिन और साइबेरिया क्षेत्रों में भारतीय निवेश पहले से मौजूद हैं। इसके अलावा मोजाम्बिक के गैस प्रोजेक्ट और ब्राजील समेत लैटिन अमेरिका में भी भारत सक्रिय रूप से अवसर तलाश रहा है। यह व्यापक रणनीति "एनर्जी डायवर्सिफिकेशन" का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य विभिन्न स्रोतों से ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस से बदला मौसम, कई राज्यों में आंधी-बारिश

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

देशभर में मौसम ने अचानक करवट बदल ली है। एक नए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के सक्रिय होने से उत्तर, मध्य और पश्चिम भारत के कई राज्यों में आंधी और बारिश का दौर शुरू हो गया है। दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब समेत कई इलाकों में रविवार सुबह से बादल छाए रहे और झमाझम बारिश हुई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। भारतीय मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर के लिए 4 मई तक 'येलो अलर्ट' जारी किया है। इस दौरान 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और बारिश होने की संभावना जताई गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश के लखनऊ, अयोध्या और कानपुर समेत 26 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। पश्चिमी यूपी में ओलावृष्टि और बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। पर्वतीय राज्यों में मौसम का असर और अधिक गंभीर दिखाई दे रहा है। उत्तराखंड के देहरादून में तेज बारिश के कारण दिन में ही अंधेरा छा गया, जबकि उत्तरकाशी में गंगोत्री हाईवे पर जल प्रवाह बढ़ने से परेशानी बढ़ गई। हिमाचल प्रदेश के 10 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी और निचले इलाकों में ओलावृष्टि से जनजीवन प्रभावित हुआ है।मध्य भारत में भी मौसम ने राहत दी है। मध्य प्रदेश के भोपाल और ग्वालियर समेत 27 जिलों में 6 मई तक आंधी-बारिश का अनुमान है। राजस्थान के जयपुर में शनिवार को आए तूफान से भारी नुकसान हुआ, जबकि रविवार को 11 जिलों में हल्की बारिश दर्ज की गईवहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में गर्मी का असर जारी है। वर्धा में तापमान 44.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। हालांकि, मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में देश के अन्य हिस्सों में भी मौसम गतिविधियां तेज होंगी।

चाबहार बंदरगाह पर भारत की नई रणनीति

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भू-राजनीति के जटिल माहौल में भारत ने चाबहार बंदरगाह को लेकर एक संतुलित और रणनीतिक कदम उठाया है, जिसने वैश्विक रणनीतिकारों का ध्यान खींचा है। अमेरिका के कड़े प्रतिबंधों और डोनाल्ड ट्रंप की सख्त नीतियों के बीच भारत ने सीधे टकराव से बचते हुए "टैक्टिकल प्रैग्मेटिज्म" का रास्ता चुना है। रिपोर्ट्स के अनुसार, चाबहार परियोजना पर अमेरिकी छूट समाप्त होने के बाद भारत अस्थायी रूप से इसका संचालन एक स्थानीय ईरानी संस्था को सौंपने पर विचार कर रहा है। इस रणनीति का उद्देश्य है कि प्रतिबंधों के दौरान परियोजना जारी रहे और भारत सीधे दंडात्मक कार्रवाई से बचा रहे। जैसे ही हालात सामान्य होंगे, भारत दोबारा नियंत्रण संभाल सकता है। चाबहार भारत के लिए केवल एक बंदरगाह नहीं, बल्कि मध्य एशिया तक पहुंच का अहम द्वार है। यह भारत को पाकिस्तान को बाईपास कर अफगानिस्तान और आगे के बाजारों तक पहुंचने का विकल्प देता है। इसके साथ ही

यह परियोजना इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर से जुड़ी है, जो भारत को यूरोप और रूस से जोड़ती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अमेरिका और ईरान के बीच संतुलन बनाए रखा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम टकराव से बचते हुए रणनीतिक हितों को सुरक्षित रखने की कोशिश है।चीन और पाकिस्तान द्वारा विकसित ग्वादर बंदरगाह, जो चाबहार के पास स्थित है, क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा को और बढ़ाता है। ऐसे में चाबहार भारत के लिए रणनीतिक संतुलन बनाए रखने का महत्वपूर्ण साधन बना हुआ है।

बायकर का नया एआई ड्रोन "मिजराक", युद्ध की बदलती तस्वीर

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

आधुनिक युद्ध अब केवल टैंक और मिसाइलों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आसमान में एआई आधारित तकनीकों के जरिए एक नई दिशा ले रहा है। इसी कड़ी में तुर्की की प्रमुख ड्रोन निर्माता कंपनी बायकर ने एक उन्नत ड्रोन "मिजराक" पेश किया है, जो बिना जीपीएस के दुश्मन के ठिकानों को पहचानकर हमला करने में सक्षम है। यह ड्रोन भविष्य के युद्ध के बदलते स्वरूप का संकेत माना जा रहा है।"मिजराक" एक एआई पावर्ड कैमिकाजे ड्रोन है, जिसे "लाइटनिंग मुनिशन" की श्रेणी में रखा गया है। इसका अर्थ है कि यह पहले लंबे समय तक हवा में रहकर लक्ष्य की पहचान करता है और सही समय आने पर सटीक हमला करता है। इसकी रेंज 1000 किलोमीटर से अधिक है और यह लगभग 7 घंटे तक लगातार उड़ान भर सकता है। करीब 200 किलोग्राम वजनी यह ड्रोन 185 किमी/घंटा की रफ्तार से उड़ सकता है और 10,000 फीट की ऊंचाई तक पहुंच सकता है।इस ड्रोन में 40 किलोग्राम तक का वॉरहेड लगाया जा सकता है, जिससे यह बड़े स्तर पर नुकसान पहुंचाने में सक्षम है। इसे रनवे या रॉकेट असिस्ट दोनों तरीकों से लॉन्च किया जा सकता है। इसके दो वेरिएंट हैं—एक भारी नुकसान के लिए डबल वॉरहेड के साथ और दूसरा रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर के साथ, जो रडार आधारित लक्ष्यों

को आसानी से पहचान सकता है।मिजराक की सबसे बड़ी खासियत इसका जीपीएस-फ्री ऑपरेशन है। जहां अधिकांश ड्रोन जीपीएस पर निर्भर होते हैं और आसानी से जैम किए जा सकते हैं, वहीं यह ड्रोन एआई आधारित ऑटो-पायलट, इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम और कंप्यूटर विजन तकनीक का उपयोग करता है। यह रियल-टाइम इमेज प्रोसेसिंग और SLAM जैसी तकनीक के जरिए अपने आसपास के इलाके का नक्शा खुद तैयार करता है और उसी आधार पर आगे बढ़ता है।अब सवाल यह है कि क्या दुनिया इसके खिलाफ प्रभावी सुरक्षा तकनीक विकसित कर पाएगी, या एआई आधारित ये हथियार युद्ध के नियम ही बदल देंगे।

ईरान की आर्थिक और राजनीतिक स्थिति पर ट्रंप का तीखा हमला

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए संकेत दिया है कि उसके खिलाफ सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू की जा सकती है। फ्लोरिडा में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने साफ कहा कि यदि ईरान ने कोई "गलती" की या उकसाने वाला व्यवहार किया, तो अमेरिका सैन्य विकल्प अपनाने से पीछे नहीं हटेगा। उनके इस बयान ने पहले से ही तनावपूर्ण हालात को और गंभीर बना दिया है। ट्रंप ने ईरान की मौजूदा स्थिति को बेहद कमजोर बताते हुए दावा किया कि देश आर्थिक और राजनीतिक संकट से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान का नेतृत्व अस्थिर है और वहां स्पष्ट दिशा का अभाव दिखाई देता है। ट्रंप के अनुसार, इसी वजह से ईरान अब समझौते के लिए मजबूर हो रहा है। उन्होंने यह भी दोहराया कि अमेरिका का लक्ष्य केवल अस्थायी शांति नहीं, बल्कि ऐसा स्थायी समाधान है जिससे भविष्य में किसी तरह का खतरा दोबारा पैदा न हो।इस बीच, ईरान की ओर से अमेरिका को 14 सूत्रीय शांति प्रस्ताव भेजा गया है। इस प्रस्ताव में लेबनान सहित विभिन्न मोर्चों पर जारी संघर्ष को समाप्त करने और व्यापक स्तर पर शांति स्थापित करने की बात कही गई है। हालांकि,

ट्रंप ने इस प्रस्ताव को लेकर संदेह जताया है। उन्होंने कहा कि वे प्रस्ताव की समीक्षा करेंगे, लेकिन इसके स्वीकार होने की संभावना कम नजर आती है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर भी ईरान की आलोचना करते हुए लिखा कि पिछले कई दशकों में ईरान की नीतियों ने वैश्विक स्थिरता को नुकसान पहुंचाया है और इसके लिए उसे अभी तक पर्याप्त कीमत नहीं चुकानी पड़ी है। उनका यह बयान अमेरिका की सख्त विदेश नीति को दर्शाता है। ईरान की ओर से यह मांग रखी गई है कि 30 दिनों के भीतर ऐसा समझौता हो जो युद्ध को स्थायी रूप से खत्म कर दे। ईरानी पक्ष अस्थायी युद्धविराम के बजाय दीर्घकालिक शांति चाहता है। दूसरी ओर, ट्रंप का कहना है कि वे भी एक व्यापक और अंतिम समाधान के पक्ष में हैं, लेकिन ऐसा कोई समझौता स्वीकार नहीं करेंगे जिससे ईरान को भविष्य में अपनी सैन्य या मिसाइल क्षमताओं को फिर से मजबूत करने का अवसर मिल सके।

संपादक की कलम से

शिक्षा किसी भी देश के विकास की आधारशिला होती है। यह केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनाने की प्रक्रिया भी है। लेकिन हाल के वर्षों में शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। डिग्री प्राप्त करना जहां आसान होता जा रहा है, वहीं वास्तविक ज्ञान और कौशल में कमी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। आज शिक्षा का उद्देश्य सीखने से ज्यादा अंक (marks) प्राप्त करना बन गया है। छात्र परीक्षा में अच्छे नंबर लाने के लिए रटने की प्रवृत्ति अपनाते हैं, जिससे उनकी समझ और विश्लेषण क्षमता प्रभावित होती है। स्कूल और कॉलेज भी अक्सर परिणामों के दबाव में केवल परीक्षा-केन्द्रित शिक्षा पर जोर देते हैं, जिससे रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच (critical thinking) पीछे छूट जाती है। शिक्षकों की भूमिका इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन कई स्थानों पर शिक्षकों की कमी, प्रशिक्षण की कमी और संसाधनों का अभाव शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और अधिक गंभीर है, जहां बुनियादी सुविधाएं भी पर्याप्त नहीं हैं। इसके अलावा, शिक्षा का अत्यधिक व्यावसायीकरण (commercialization) भी एक बड़ी समस्या बन गया है। निजी स्कूल और कोचिंग संस्थान महंगी फीस वसूलते हैं, जिससे शिक्षा एक सेवा की बजाय व्यापार बनती जा रही है। इससे समाज में असमानता बढ़ती है, क्योंकि हर व्यक्ति गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का खर्च नहीं उठा सकता।डिजिटल शिक्षा के बढ़ते प्रभाव ने जहां एक ओर नई संभावनाएं खोली हैं, वहीं इसके अपने नुकसान भी हैं। ऑनलाइन पढ़ाई में अनुशासन की कमी, ध्यान भटकना और तकनीकी समस्याएं सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। इस स्थिति को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, शिक्षा प्रणाली में सुधार लाते हुए इसे अधिक व्यावहारिक और कौशल-आधारित बनाना होगा। छात्रों को केवल किताबों तक सीमित रखने की बजाय उन्हें वास्तविक जीवन की समस्याओं को समझने और समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। सरकार को शिक्षा के क्षेत्र में निवेश बढ़ाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो। शिक्षकों के प्रशिक्षण और उनकी कार्य स्थितियों में सुधार भी अत्यंत आवश्यक है। अंततः, शिक्षा का असली उद्देश्य एक सक्षम, संवेदनशील और जागरूक समाज का निर्माण करना है। यदि हम केवल अंकों और डिग्रियों तक सीमित रहेंगे, तो हम इस उद्देश्य से भटक जाएंगे। इसलिए समय की मांग है कि शिक्षा की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर सकें।

फालता सीट पर पूरी वोटिंग रद्द

285 बूथों पर फिर से मतदान का ऐलान

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की फालता सीट पर 29 अप्रैल की वोटिंग में गड़बड़ियों के बाद सभी 285 बूथों पर पुनर्मतदान का आदेश दिया। अब 21 मई को वोटिंग और 24 मई को मतगणना होगी। अन्य प्रभावित बूथों पर पुनर्मतदान शांतिपूर्ण रहा, हालांकि कुछ जगह विवाद भी सामने आए।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की फालता विधानसभा सीट पर हुई वोटिंग को रद्द करते हुए एक बड़ा और अहम फैसला लिया है। आयोग ने शनिवार को घोषणा की कि इस सीट के सभी 285 मतदान केंद्रों पर दोबारा चुनाव कराया जाएगा। यह कदम चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।आयोग के नए आदेश के अनुसार, फालता विधानसभा सीट पर पुनर्मतदान 21 मई, 2026 को आयोजित किया जाएगा। मतदान सुबह 7 बजे से शुरू होकर शाम 6 बजे तक चलेगा। इसके साथ ही आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस सीट पर डाले गए वोटों की गिनती 24 मई, 2026 को की जाएगी। प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं ताकि इस बार मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो सके। बताया गया है कि 29 अप्रैल, 2026 को हुए मतदान के दौरान कई गंभीर गड़बड़ियों की शिकायतें सामने आई थीं। विभिन्न बूथों से चुनावी नियमों के उल्लंघन, मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश, और मतदान प्रक्रिया में बाधा डालने जैसी घटनाओं की खबरें मिली थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए चुनाव आयोग ने विस्तृत जांच कराई। जांच में कई अनियमितताओं की पुष्टि होने के बाद ही आयोग ने पूरे निर्वाचन क्षेत्र में दोबारा मतदान कराने का निर्णय लिया। यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि आमतौर पर केवल प्रभावित बूथों पर ही पुनर्मतदान कराया जाता है, लेकिन फालता में पूरे विधानसभा क्षेत्र में दोबारा मतदान कराने का आदेश दिया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि आयोग इस मामले को बेहद गंभीर मान रहा है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए कठोर कदम उठाने से पीछे नहीं हट रहा।फालता सीट से पहले भी आयोग ने पश्चिम बंगाल की कुछ अन्य सीटों पर पुनर्मतदान कराया था। इनमें मगराहाट पश्चिम के 11 और डायमंड हार्बर के 4 मतदान केंद्र शामिल थे। इन कुल 15 बूथों पर चुनावी धांधली की शिकायतों के बाद पुनर्मतदान का आदेश दिया गया था। यह मतदान शनिवार को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ और इसमें मतदाताओं ने उत्साह के साथ भाग लिया।शनिवार को हुए इस पुनर्मतदान में शाम 5 बजे तक 86.90 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो कि काफी अच्छा माना जा रहा है। इससे यह संकेत मिलता है कि मतदाता लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी को लेकर जागरूक और उत्साहित हैं। हालांकि, डायमंड हार्बर सीट पर एक विवाद भी सामने आया। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि चंदा प्राथमिक स्कूल स्थित बूथ नंबर 179 पर केंद्रीय सुरक्षा बलों ने एक दिव्यांग मतदाता और उनकी मां के साथ अनुचित व्यवहार किया।इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिली और उन्होंने विरोध प्रदर्शन भी किया। हालांकि प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए मतदान प्रक्रिया को प्रभावित नहीं होने दिया। इस तरह की घटनाएं चुनावी प्रक्रिया की संवेदनशीलता को दर्शाती हैं और यह भी बताती हैं कि निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए हर स्तर पर सतर्कता आवश्यक है।कुल मिलाकर, फालता विधानसभा सीट पर दोबारा मतदान कराने का निर्णय चुनाव आयोग की सख्ती और निष्पक्षता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अब सभी की नजरें 21 मई को होने वाले पुनर्मतदान और 24 मई को आने वाले नतीजों

संदीप पाठक पर पंजाब में दो एफआईआर दर्ज

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद संदीप पाठक की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। संदीप पाठक के खिलाफ पंजाब में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। गैर-जमानती अपराधों के तहत पंजाब के दो जिलों में संदीप पाठक के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। केस दर्ज होने के बाद पंजाब पुलिस की टीम दिल्ली भी संदीप पाठक के आवास पर पहुंची। वहीं इस बीच राज्यसभा सांसद संदीप पाठक को दिल्ली स्थित अपने घर से गाड़ी में बैठकर बाहर निकलते हुए देखा गया। पंजाब सरकार के इस कदम के बाद अब इस मामले में सियासत भी तेज हो गई है। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है। बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि आज राज्यसभा के सांसद संदीप पाठक के आवास पर पंजाब पुलिस ने जाकर रेड करने का प्रयास किया। हम यह सवाल पूछना चाहते हैं पंजाब सरकार से जहां कानून व्यवस्था की स्थिति इतनी लचर है कि आपकी पुलिस इग वालों को पकड़ नहीं पा रही है, जहां पवित्र हरमंदिर साहिब जी के गेट के ऊपर भी गोली चल जाती है, जहां पुलिस अधिकारियों के कार्यालय पर हमला हो जाता है वहां पर नियंत्रण न करके आज जिस प्रकार से पाठक जी के आवास पर पंजाब पुलिस ने धावा बोला है। मेरा सवाल केजरीवाल जी से है कि इस तथाकथित नई राजनीति के अलंबरदार यह बताएं कि आपके राज्य में जहां कानून व्यवस्था सर्वाधिक ध्वस्त है और कल ही एक गंभीर आरोप पंजाब विधानसभा में विपक्ष के द्वारा लगाया गया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान जी के ऊपर वो नशे में हैं।

"राजनीतिक प्रतिशोध में स्वतंत्रता खत्म नहीं की जा सकती" — पवन खेड़ा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शनिवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट से उन्हें अग्रिम जमानत मिलना इस बात का द्योतक है कि राजनीतिक प्रतिशोध के लिए निजी स्वतंत्रता को खत्म नहीं किया जा सकता। कांग्रेस नेता ने कांग्रेस के प्रमुख नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी वाद्रा, केसी वेणुगोपाल , जयराम रमेश और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी तथा पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार भी व्यक्त किया । उन्होंने कहा, 'मेरी जमानत न केवल एक व्यक्तिगत जीत और राहत का स्रोत है, बल्कि राज्य की सत्ता का दुरुपयोग करने वालों को यह चेतावनी भी है कि जब तक हम एक संवैधानिक लोकतंत्र बने रहेंगे, राजनीतिक प्रतिशोध के लिए व्यक्तिगत स्वतंत्रता को खत्म भी किया जा सकता है।' उन्होंने कहा, 'असत्य कितना भी शक्तिशाली क्यों न लगे, विजय सत्य की ही होती है। सत्यमेव जयते!'सुप्रीम कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी के खिलाफ आरोप लगाने से संबंधित एक मामले में खेड़ा को यह कहते हुए अग्रिम जमानत दे दी कि मामला राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से उपजा प्रतीत होता है। असम पुलिस ने शर्मा और उनकी पत्नी के पासपोर्ट की स्थिति पर सवाल उठाने के बाद खेड़ा के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इन आरोपों के बाद राज्य में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक विवाद शुरू हो गया था। इसके बाद असम के मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता के खिलाफ कुछ टिप्पणियां कीं, जिन्हें पार्टी ने 'अनुचित' बताया।

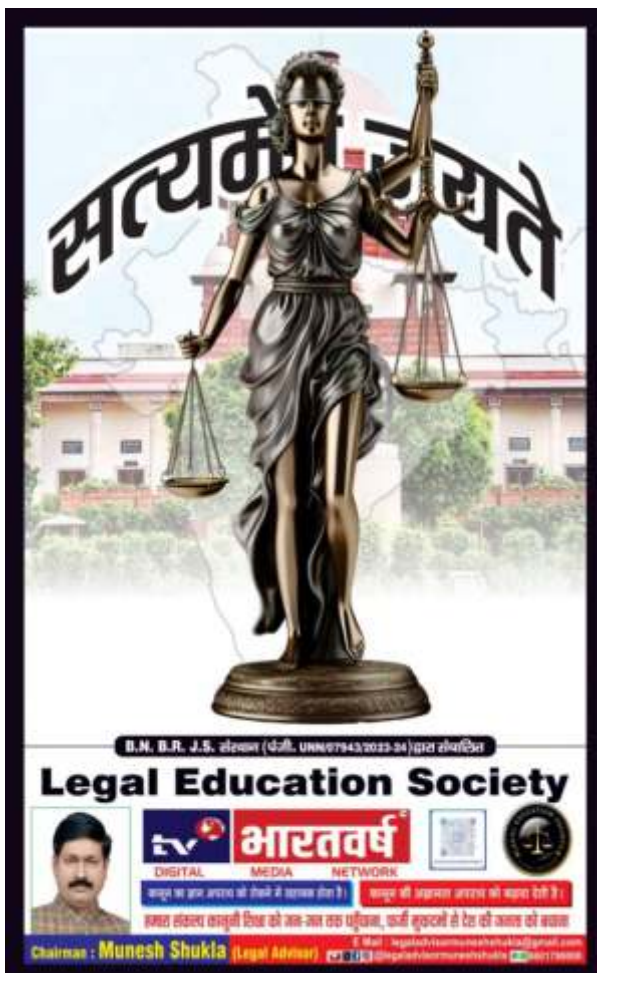

डिजिटल शिक्षा की लहर:
गांव से शहर तक बदलती पढ़ाई की दिशा

भारत में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और इस परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण डिजिटल तकनीक का तेजी से विस्तार है। पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म, स्मार्ट क्लासरूम, वर्चुअल लर्निंग और मोबाइल ऐप्स के माध्यम से पढ़ाई करना न केवल आसान हुआ है, बल्कि पहले की तुलना में अधिक सुलभ और लचीला भी बन गया है। खासतौर पर कोरोना महामारी के दौरान जब स्कूल और कॉलेज लंबे समय तक बंद रहे, तब डिजिटल लर्निंग ने शिक्षा व्यवस्था को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौर ने यह साबित कर दिया कि तकनीक के माध्यम से शिक्षा को किसी भी परिस्थिति में जारी रखा जा सकता है।आज देश के शहरी ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल माध्यमों का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। छात्र अब मोबाइल फोन, टैबलेट और लैपटॉप के जरिए घर बैठे ही पढ़ाई कर रहे हैं। ऑनलाइन क्लासेस, रिकॉर्डेड वीडियो लेक्चर, ई-बुक्स और डिजिटल नोट्स ने सीखने के तरीकों को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां छात्रों को अच्छी शिक्षा के लिए बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, वहीं अब इंटरनेट के माध्यम से उन्हें वही सुविधाएं अपने गांव या छोटे शहर में ही उपलब्ध हो रही हैं। यह बदलाव विशेष रूप से उन छात्रों के लिए लाभकारी साबित हुआ है, जो आर्थिक या भौगोलिक कारणों से बेहतर शिक्षण संस्थानों तक नहीं पहुंच पाते थे।सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की गई हैं। विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म छात्रों को मुफ्त या सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण कंटेंट उपलब्ध करा रहे हैं। स्कूलों में स्मार्ट बोर्ड, प्रोजेक्टर और डिजिटल कंटेंट का उपयोग बढ़ रहा है। इसके साथ ही शिक्षकों को भी डिजिटल माध्यम से पढ़ाने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे तकनीक का बेहतर उपयोग कर सकें। इससे शिक्षण प्रक्रिया अधिक इंटरैक्टिव और प्रभावी बन रही है।हालांकि, इस तेजी से हो रहे बदलाव के साथ कई चुनौतियां भी सामने आई हैं। सबसे बड़ी समस्या डिजिटल डिवाइड यानी तकनीकी संसाधनों की असमान उपलब्धता है। देश के कई हिस्सों में आज भी ऐसे छात्र हैं, जिनके पास स्मार्टफोन, कंप्यूटर या स्थिर इंटरनेट कनेक्शन नहीं है। इससे वे डिजिटल शिक्षा का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। इसके अलावा, बिजली की अनियमित आपूर्ति और नेटवर्क की समस्या भी कई क्षेत्रों में बाधा बनती है।एक अन्य महत्वपूर्ण चुनौती स्वास्थ्य से जुड़ी है। लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठकर पढ़ाई करने से छात्रों में आंखों की कमजोरी, सिरदर्द, नींद की समस्या और मानसिक तनाव जैसी दिक्कतें बढ़ रही हैं। साथ ही, ऑनलाइन शिक्षा में अनुशासन बनाए रखना भी एक चुनौती है, क्योंकि घर का माहौल हमेशा पढ़ाई के अनुकूल नहीं होता।इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सरकार लगातार सुधार के प्रयास कर रही है। विभिन्न योजनाओं के तहत स्कूलों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों को डिजिटल ट्रेनिंग देकर उन्हें नई तकनीकों से परिचित कराया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी तकनीक आधारित शिक्षा को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है, जिससे शिक्षा को अधिक समावेशी, लचीला और प्रभावी बनाया जा सके।विशेषज्ञों का मानना है कि केवल डिजिटल या केवल पारंपरिक शिक्षा पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। दोनों का संतुलित मिश्रण ही सबसे बेहतर परिणाम दे सकता है। जहां डिजिटल शिक्षा ज्ञान को व्यापक और सुलभ बनाती है, वहीं पारंपरिक कक्षा शिक्षण छात्रों के सामाजिक और भावनात्मक विकास में मदद करता है।यदि तकनीक का सही और संतुलित उपयोग किया जाए, तो यह न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को सुधार सकता है, बल्कि देश के हर कोने तक ज्ञान पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आने वाले समय में डिजिटल शिक्षा भारत की शिक्षा प्रणाली का एक अभिन्न हिस्सा बनने जा रही है, जो भविष्य की पीढ़ियों को अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर बनाएगी।

स्किल एजुकेशन का बढ़ता महत्व: नई पहल से रोजगार के खुलते रास्ते

Skill India

देश में शिक्षा का स्वरूप अब तेजी से बदल रहा है और इसे केवल डिग्री तक सीमित न रखकर कौशल विकास पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। बदलते समय और रोजगार की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह महसूस किया गया है कि केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि छात्रों के पास व्यावहारिक और तकनीकी कौशल होना भी बेहद जरूरी है। इसी दिशा में नई शिक्षा नीति के तहत कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, जिनका उद्देश्य छात्रों को अधिक सक्षम और रोजगार के लिए तैयार बनाना है।नई शिक्षा व्यवस्था में इस बात पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि छात्र पढ़ाई के साथ-साथ ऐसे कौशल भी सीखें, जो उन्हें भविष्य में करियर बनाने में मदद करें। स्कूल और कॉलेज स्तर पर अब ऐसे कोर्स शुरू किए जा रहे हैं, जिनमें छात्रों को आईटी, डिजिटल मार्केटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा एनालिसिस और अन्य व्यावसायिक कौशल सिखाए जाते हैं। इससे छात्रों को न केवल नई तकनीकों की जानकारी मिलती है, बल्कि वे इनका उपयोग भी सीखते हैं।इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा यह है कि छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद सीधे रोजगार के लिए तैयार हो सकते हैं। पहले जहां डिग्री हासिल करने के बाद भी छात्रों को नौकरी के लिए अलग से प्रशिक्षण लेना पड़ता था, वहीं अब शिक्षा के दौरान ही उन्हें आवश्यक स्किल्स सिखाए जा रहे हैं। इससे समय की बचत होती है और रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं।सरकार भी इस दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के तहत युवाओं को ट्रेनिंग और इंटर्नशिप के अवसर दिए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को उद्योगों के साथ जोड़ने की कोशिश की जा रही है, ताकि वे वास्तविक कार्यस्थल का अनुभव प्राप्त कर सकें।

सरफराज ने लपका हैरतअंगेज कैच
चोटिल हुए कप्तान रियान पराग

भारत थॉमस कप के सेमीफाइनल में

बैडमिंटन में भारत के लिए एक बड़ी और उत्साहजनक खबर सामने आई है, जहां भारतीय पुरुष टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए थॉमस कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में चीनी ताइपे को एकतरफा अंदाज में 3-0 से हराकर अपनी ताकत का दमदार प्रदर्शन किया है। मौजूद जानकारी के अनुसार, इस जीत के साथ भारत ने कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया है। मुकाबले को निर्णायक अंदाज में आयुष शेट्टी ने खत्म किया, जिन्होंने लिन चुन यी के खिलाफ सीधे गेम में 21-16, 21-17 से जीत दर्ज की। बता दें कि आयुष पूरे मैच में संतुलित और आत्मविश्वास से भरे नजर आए और उन्होंने दबाव की स्थिति में भी बेहतरीन नियंत्रण बनाए रखा। इससे पहले, भारत को शानदार शुरुआत लक्ष्य सेन ने दिलाई। गौरतलब है कि लक्ष्य सेन ने विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चाउ तिएन चेन के खिलाफ जबरदस्त वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया है। करीब एक घंटे 28 मिनट तक चले इस मुकाबले में लक्ष्य ने 18-21, 22-20, 21-17 से जीत दर्ज की है। मौजूद जानकारी के अनुसार, दूसरे गेम में लक्ष्य सेन के सामने दो मैच प्वाइंट की चुनौती थी, लेकिन उन्होंने धैर्य और संयम दिखाते हुए दोनों को बचाया और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचाया है। तीसरे गेम में उन्होंने पूरी तरह नियंत्रण बनाते हुए भारत को अहम बढ़त दिलाई है।

मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपने करियर की 350वीं जीत हासिल की और पहली बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। सिनर ने आर्थर फिल्स को 6-2, 6-4 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला 22 मैच तक बढ़ा दिया। सिनर लगातार पांचवें मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज़्वेरेव का सामना करेंगे। जर्मन खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में बेल्जियम के एलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को 6-2, 7-5 से हराया।

सिनर लगातार पांच मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगे। उन्होंने इससे पहले पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी और मोंटे कार्लो में खिताब जीते थे। सिनर 2000 के दशक में जन्में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने अपने करियर में 350 मैच जीते हैं।यही नहीं सिनर एक विशिष्ट सूची में भी शामिल हो गए हैं। वह रोजर फेडरर, नोवाक जोकोविच और राफेल नडाल के बाद सभी नौ मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले चौथे और सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी हैं। महिला वर्ग के फाइनल में मीरा एंड्रीवा का सामना मार्टा कोस्त्युक से होगा।

9 मैचों में से 7 में हार
मुंबई के लिए प्लेऑफ में पहुंचना काफी मुश्किल

हार्दिक पांड्या की कप्तानी में खेल रही मुंबई इंडियंस की टीम की लिए आईपीएल 2026 का सीजन अब तक काफी खराब रहा है। दो मई को खेले गए चेन्नई सुपर किंग्स की टीम के खिलाफ मुकाबले में मुंबई इंडियंस की टीम को 8 विकेट से एकतरफा हार का सामना करना पड़ा जिसके साथ ही उनके लिए अब प्लेऑफ में जगह बना पाने की उम्मीद लगभग खत्म हो गई है। मुंबई इंडियंस की टीम ने अब तक आईपीएल के इस सीजन में 9 मैच खेले हैं जिसमें से उन्हें 7 मुकाबलों को में हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि अभी मुंबई इंडियंस की टीम आधिकारिक रूप से प्लेऑफ की रेस से बाहर नहीं हुई है जिसमें उनके पास अभी भी मौका जरूर बचा हुआ है। मुंबई इंडियंस की टीम ने अब तक लीग स्टेज में कुल 9 मुकाबले खेले हैं जिसके बाद अभी उन्हें 5 मैच और खेलने बाकी हैं, ऐसे में उनको खुद को प्लेऑफ में पहुंचने की रेस में शामिल रखने के लिए बाकी बचे सभी मैचों में जीत हासिल करनी होगी ताकि वह कुल 14 अंकों पर पहुंच जाएं। हालांकि आईपीएल में प्लेऑफ में 14 अंकों के साथ अपनी जगह बना पाना लगभग नामुमकिन सा काम है। ऐसा इसलिए क्योंकि उसे अपने मुकाबले जीतने के साथ ये दुआ भी करनी होगी कि टॉप-4 में अभी काबिज पंजाब किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स जिनके अभी 12 या उससे अधिक अंक हैं उनमें किसी दो टीम का आगे खराब दौर देखने को मिले, इसके अलावा बाकी टीमों के मुकाबलों के परिणाम पर भी उन्हें नजर बनाकर रखनी होगी। ऐसे में मुंबई इंडियंस के पास 14 अंकों के साथ प्लेऑफ में पहुंचने का एक चांस जरूर अभी बचा हुआ है।

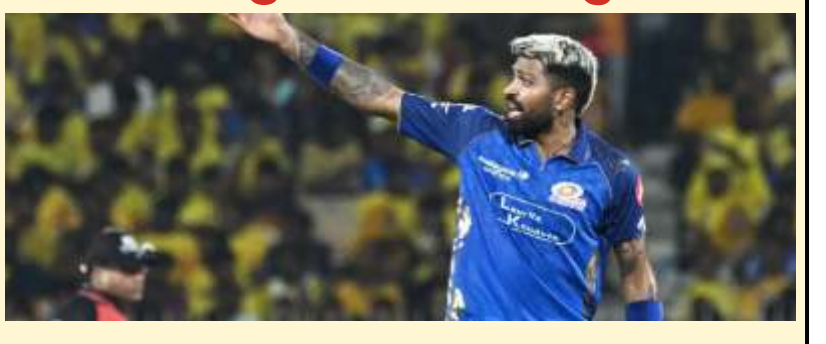

ऑस्ट्रेलिया में एक दिन की कमाई 40 हजार

विदेश में मिलता है मेहनत का सही मोल?

आजकल सोशल मीडिया पर विदेश में काम करने और वहां की कमाई को लेकर कई वीडियो वायरल होते रहते हैं.

इन्हीं में से एक वीडियो ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले एक भारतीय व्यक्ति ने अपनी कमाई के बारे में खुलकर बात की है.

इस वीडियो के सामने आने के बाद लोगों के बीच विदेश में काम करने को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है. इस वीडियो में रविंद्र नाम के एक व्यक्ति ने अपना एक्सपीरियंस शेयर किया है. ⊙

कोलकाता के शख्स ने लता के गाने पर दी ऐसी परफॉर्मेंस, रो पड़ा सोशल मीडिया

जुबां खामोश, पर बोल उठीं आंखें

आज के समय में सोशल मीडिया पर हर दिन हजारों वीडियो वायरल होते हैं, लेकिन कुछ वीडियो ऐसे होते हैं जो सीधे दिल को छू जाते हैं ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसमें कोलकाता के रहने वाले एक व्यक्ति ने बिना ज्यादा बोले, सिर्फ अपनी आंखों के जरिए गहरी भावनाएं व्यक्त कर दीं. इस वायरल वीडियो में कोलकाता के बिभु नाम के एक शख्स ने मशहूर पुराने गीत हम तेरे प्यार में सारा आलम पर लिप-सिंक किया है.

यह गीत अपनी भावनाओं और गहराई के लिए पहले से ही लोगों के दिलों में खास जगह रखता है. इस गाने को महान गायिका लता मंगेशकर ने अपनी आवाज से अमर बना दिया था. इस वीडियो में बिभु ने जिस अंदाज में इसे प्रस्तुत किया, उसने लोगों को हैरान कर दिया.

वह कैमरे के सामने शांत बैठकर बिना किसी बड़े एक्सप्रेशन या ओवर एक्टिंग के केवल अपनी आंखों और हल्की-फुल्के एक्सप्रेशन के जरिए गाने की हर लाइन को महसूस कराते हैं. बताया जा रहा है कि यह गाना एक कवर वर्जन है, जिसे एक यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया था. बिभु ने इसी कवर पर लिप-सिंक करते हुए इस गाने को गाया है. उनकी आंखों में नमी, चेहरे की सादगी और भावनाओं की गहराई इतनी साफ दिखाई देती है कि देखने वाला खुद भावुक हो जाता है. यह गाना साल 1963 की फिल्म दिल एक मंदिर का है. ⊙

एसी सर्विस से मना करने वाले शख्स ने जीता दिल

300 रूपये के लिए जान क्यों दांव पर लगाऊं?

सोशल मीडिया पर एक एसी टेक्नीशियन का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक खतरनाक जगह पर लगे एसी की सर्विस करने से साफ मना कर देता है. यह मामला खारघर की एक ऊंची बिल्डिंग का बताया जा रहा है, जहां 23वीं मंजिल पर एसी का आउटडोर यूनिट बालकनी से काफी दूर बाहर की तरफ लगाया गया है. वीडियो में टेक्नीशियन लोगों को समझाता है कि वह इस काम को क्यों नहीं कर सकता. वह दिखाता है कि एसी यूनिट इतनी खतरनाक जगह पर लगी है कि वहां तक पहुंचना आसान नहीं है. अगर कोई व्यक्ति वहां सर्विस करने जाता है, तो गिरने का खतरा बहुत ज्यादा है. टेक्नीशियन कहता है

कि सिर्फ 300–400 रुपये के लिए कोई अपनी जान खतरे में क्यों डालेगा. वह आगे कहता है कि अगर काम करते समय कोई हादसा हो जाता है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? उसके मुताबिक, इस तरह के काम में कोई भी सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए हैं, जैसे कि सेफ्टी बेल्ट, मजबूत प्लेटफॉर्म या अन्य जरूरी उपकरण. ऐसे में वहां काम करना बहुत ही खतरनाक है. ⊙

मेकिंग का वीडियो देख उड़ जाएंगे होश

आखिर कैसे बनती है 1 रूपये वाली चुस्की?

जैसे ही गर्मी ने अपना रंग दिखाना शुरू किया, सोशल मीडिया पर भी उसी के हिसाब से वीडियो शेयर होने लगे हैं. कहीं मिट्टी पर पापड़ सेंकने वाली महिला के वीडियो आ रहे हैं तो कहीं कोल्ड ड्रिंक से जुड़े वीडियो शेयर हो रहे हैं. इसी बीच, सोशल प्लेटफॉर्म पर 1 रुपये वाली चुस्की के वीडियो भी शेयर हो रहे हैं, जिनमें दिखाया जा रहा है कि आखिर इसे कैसे बनाया जाता है. इन वीडियो पर कई लोग कमेंट कर रहे हैं कि इन वीडियो ने बचपन की याद दिला दी जबकि कुछ लोग इस चुस्की को बनाए जाने के तरीके पर बात कर रहे हैं. वीडियो में दिख रहा है कि इन्हें बहुत ही गंदे तरीके से बनाया जा रहा है. तो आज इन वीडियो के जरिए देखते हैं कि आखिर 1 रुपये वाली चुस्की कैसे बनती है. वायरल हो रहे वीडियो

सोशल मीडिया पर चुस्की पैकेट्स के वीडियो वायरल हो रहे हैं.

में दिखाया जा रहा है कि इन चुस्की में सिर्फ कैमिकल कलर मिलाए जा रहे हैं. पहले पानी में कलर घोला जाता है और फिर कलर डालकर इसे तैयार किया जा रहा है. एक मिल्क चुस्की वाले वीडियो में दिख रहा है कि पहले दूध को गर्म किया जा रहा है और फिर एक खास तरह के कलर से एक घोल तैयार किया जा रहा है. इसके बाद पानी से साथ उसमें वो कलर मिलाया जा रहा है और उन्हें पैक कर दिया जा रहा है. वहीं, एक वीडियो में दिख रहा है कि पानी में चीनी डालकर गर्म किया जा रहा है और फिर उसमें कलर मिलाकर अलग बाल्टियों में भरा जा रहा है. इसके बाद उन्हें छोटी प्लास्टिक की थैलियों में भरा जा रहा है और मशीन के जरिए पैक किया जा रहा है. ⊙

लेखक प्रसून जोशी को भारत के सार्वजनिक सेवा प्रसारक प्रसार भारती का अध्यक्ष नियुक्त किया गया

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शनिवार को घोषणा की कि प्रख्यात गीतकार और लेखक प्रसून जोशी को भारत के सार्वजनिक सेवा प्रसारक प्रसार भारती का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नियुक्ति की घोषणा करते हुए मंत्रालय ने साहित्य, विज्ञापन, सिनेमा और सार्वजनिक संचार के क्षेत्र में जोशी के व्यापक योगदान को रेखांकित किया। यह नियुक्ति मंत्रालय द्वारा पूर्व अध्यक्ष नवनीत कुमार सहगल के इस्तीफे को स्वीकार किए जाने के कुछ महीनों बाद हुई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जोशी को उनकी नियुक्ति पर बधाई देते हुए कहा कि वे एक विलक्षण रचनात्मक व्यक्तित्व हैं। वैष्णव ने आगे कहा कि उनके

नेतृत्व में प्रसार भारती को नई ऊर्जा, गहरा उद्देश्य और एक नई रचनात्मक आवाज मिलेगी। मंत्रालय ने जोशी की नियुक्ति पर जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि उन्होंने समकालीन भारतीय मीडिया के विमर्श को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और वे अपने प्रभावशाली लेखन और गहरी सांस्कृतिक संवेदनशीलता के लिए जाने जाते हैं। इसमें कहा गया है कि उनके कार्यों में प्रशंसित फिल्म गीत, विज्ञापन अभियान और सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियां शामिल हैं जो देश भर में विविध दर्शकों से जुड़ती हैं। जोशी अगस्त 2017 से मुंबई स्थित केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान फिल्म प्रमाणन प्रक्रियाओं को सुदृढ़ किया और साथ ही फिल्म उद्योग के सभी हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहे। मंत्रालय के बयान में कहा गया कि सीबीएफसी में उनका कार्यकाल रचनात्मक अभिव्यक्ति और नियामक उत्तरदायित्व के प्रति संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है। इससे पहले, जोशी मैक्कैन वर्ल्ड ग्रुप इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और मैक्कैन वर्ल्ड ग्रुप एशिया पैसिफिक (मैक्कैन एरिक्सन की सहायक कंपनी) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

चारबाग स्टेशन पर आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई

शताब्दी एक्सप्रेस के पार्सल से 38.40 लाख की सिगरेट बरामद

चारबाग रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने शताब्दी एक्सप्रेस के पार्सल से 38.40 लाख रुपये की अवैध सिगरेट बरामद की। फर्जी विवरण देकर खेप लाई गई थी। एक आरोपी को पकड़ा गया। माल जब्त कर रेल अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया, आगे जांच जारी है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ क्राइम ब्रांच की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से लाई जा रही सिगरेट की एक बड़ी खेप बरामद की है। इस कार्रवाई में करीब 38.40 लाख रुपये मूल्य की सिगरेट जब्त की गई है, जिसे पार्सल के माध्यम से नई दिल्ली से लखनऊ लाया गया था। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि इस खेप को याहियागंज बाजार में खपाने की तैयारी थी।आरपीएफ क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर मुकेश कुमार सिंह के अनुसार यह कार्रवाई "ऑपरेशन सतर्क" के तहत की गई। टीम को पहले से ही इस अवैध खेप के बारे में मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी, जिसके आधार पर रेलवे पार्सल विभाग में सघन जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान गाड़ी संख्या 12004 नई दिल्ली-लखनऊ शताब्दी एक्सप्रेस से आए लीज पार्सल पर संदेह हुआ। जब पार्सल की जांच की गई, तो उसमें भारी मात्रा में सिगरेट बरामद हुई।बरामद खेप का कुल वजन 560.2 किलोग्राम बताया गया है, जिसमें कुल 3.84 लाख सिगरेट स्टिक पाई गईं। जांच के दौरान यह भी खुलासा हुआ कि पार्सल बुकिंग के समय असली सामान को छिपाने के लिए फर्जी विवरण दर्ज कराया गया था। सिगरेट की जगह पार्सल में फोन कवर, जींस और प्लास्टिक के सामान का उल्लेख किया गया था, ताकि सुरक्षा जांच से बचा जा सके। गौरतलब है कि ट्रेनों के जरिए सिगरेट ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। मामले में आगे की कार्रवाई करते हुए आरपीएफ टीम ने पार्सल गेट के बाहर एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। उपनिरीक्षक प्रशांत सिंह यादव के मुताबिक, आरोपी की पहचान आसिफ खान निवासी हुसैनगंज, कैसरबाग के रूप में हुई है। उसे 16 पार्सल पैकेट ले जाते हुए गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने बताया कि यह सारा माल अनुज महेश्वरी का है। हालांकि, वह इस संबंध में कोई वैध लाइसेंस, परमिट या प्राधिकरण पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका।बरामद सिगरेट में दो अलग-अलग ब्रांड शामिल हैं। इनमें टोजल सुपरमिंट ब्लेंड मास्टर फिल्टर की 167.5 किलोग्राम और इंप्रेशन क्रश मिंट फिल्टर की 392.7 किलोग्राम मात्रा शामिल है। कुल मिलाकर 3,84,000 सिगरेट स्टिक जब्त की गई हैं, जिनकी बाजार कीमत करीब 38.40 लाख रुपये आंकी गई है। आरपीएफ ने दोनों ब्रांड की एक-एक डिब्बी को नमूने के रूप में अलग कर लिया है, जबकि बाकी पूरे माल को सील कर जब्त कर लिया गया है। इस मामले में रेल अधिनियम की धारा 163 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। इस पूरी कार्रवाई में अपराध आसूचना शाखा और आरपीएफ लखनऊ जंक्शन की टीम ने संयुक्त रूप से भाग लिया। टीम में हेड कांस्टेबल महेंद्र नाथ, कांस्टेबल हेमंत कुमार और अविनाश कुमार सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। आरपीएफ अधिकारियों का कहना है कि पार्सल के माध्यम से अवैध सामान की तस्करी रोकने के लिए भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि रेलवे परिसर में किसी भी प्रकार की गैरकानूनी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ में ठंडी हवाओं के बाद तेज धूप, बढ़ेगा तापमान

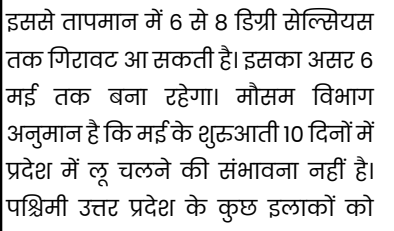

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में सुबह से 15 से 25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ठंडी हवाएं चल रही हैं। सुबह के समय आसमान में बादल छाए रहे। इसके बाद मौसम साफ हो गया है। तेज चटक धूप निकल आई है। अब तापमान में बढ़ोतरी से गर्मी का असर फिर से बढ़ेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री के आसपास दर्ज किया जाएगा। 4 मई से मौसम के फिर बदलने का अनुमान है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 33.3 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य तापमान से 6.1 डिग्री कम रहा है। न्यूनतम तापमान 21.3 डिग्री रहा। यह सामान्य तापमान से 2.3 डिग्री कम रहा। अधिकतम आर्द्रता 86 फीसदी रहा। न्यूनतम आर्द्रता 47 फीसदी रहा। मौसम विभाग का कहना है कि 4 मई से एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से प्रदेश में फिर आंधी-तूफान और बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। इससे तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। इसका असर 6 मई तक बना रहेगा। मौसम विभाग अनुमान है कि मई के शुरुआती 10 दिनों में प्रदेश में लू चलने की संभावना नहीं है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों को छोड़कर प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों लखनऊ समेत अन्य इलाकों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य या सामान्य से अधिक रह सकता है। खासकर उत्तरी तराई क्षेत्रों में लू सामान्य से ज्यादा दिन चल सकती है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में लू सामान्य स्तर पर रहने की संभावना है।

लखनऊ में AAP का स्मार्ट मीटर के खिलाफ प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों और पुलिस में नोकझोंक

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में आम आदमी पार्टी (AAP) ने स्मार्ट मीटर के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी के नेता और कार्यकर्ता शक्ति भवन पहुंचे और वहां से नारेबाजी करते हुए विधानसभा की ओर कूच करने लगे। प्रदर्शनकारियों के हाथों में पोस्टर और तख्तियां थीं, जिन पर भाजपा सरकार के खिलाफ नारे लिखे थे। जैसे ही वे श्रीराम टावर के पास पहुंचे, पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। आगे जाने की जिद पर अड़े प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक हुई। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया और उन्हें जबरन गाड़ियों में बैठाकर ईको गार्डन भेज दिया। इस दौरान आम आदमी पार्टी के ऑटो विंग के प्रदेश अध्यक्ष प्रतिपाल सिंह ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पुलिस ने उनके साथ अभद्रता की और उनकी पगड़ी नोचकर उनका अपमान किया।जिला अध्यक्ष इरम ने स्मार्ट मीटर को जनता के साथ धोखा बताया। उन्होंने कहा कि सरकार स्मार्ट मीटर के नाम पर लोगों को गुमराह कर रही है और जबरदस्ती घरों में मीटर लगाए जा रहे हैं। उनका आरोप है कि इससे बिजली के बिलों में भारी बढ़ोतरी हो रही है, जो आम जनता पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया बंद नहीं होती, पार्टी का विरोध जारी रहेगा।प्रदर्शन में शामिल अन्य कार्यकर्ताओं ने भी सरकार पर निशाना

साधा। दिनेश नामक कार्यकर्ता ने कहा कि महंगाई से पहले ही परेशान जनता को अब स्मार्ट मीटर के जरिए और अधिक आर्थिक दबाव में डाला जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली जैसी बुनियादी जरूरत को मुनाफे का जरिया बना दिया गया है। प्रतिपाल सिंह ने यह भी कहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद भी बिजली कटौती की समस्या बनी हुई है और बिल कई गुना बढ़कर आ रहे हैं। उन्होंने इसे जनता के साथ अन्याय बताते हुए सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की।

आज तड़के गरज-चमक के साथ

झमाझम बारिश हुई

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में आज तड़के गरज-चमक के साथ झमाझम बारिश हुई। करीब 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चली। मौसम सुहाना हो गया। इस दौरान कई इलाकों की बत्ती गुल हो गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री के आसपास दर्ज किया जाएगा। दिन में अधिकतर समय मौसम साफ रहेगा। बीच-बीच में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। शनिवार को अधिकतम तापमान 34.01 डिग्री रहा। यह सामान्य तापमान से 5.3 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 23.1 डिग्री रहा। यह सामान्य तापमान की तुलना में 0.5 डिग्री कम रहा। अधिकतम आर्द्रता 83 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 43 फीसदी दर्ज की गई। गोमतीनगर के मंत्री आवास फीडर और विभव खंड फीडर पर आंधी और बारिश के दौरान फॉल्ट हो गया। विभव खंड में इंसुलेटर में खराबी आ गई। इसके बाद लाइन पास की गई। मंत्री आवास की तरफ

समस्या फीडर पर भी 50 मिनट लाइट नहीं आई। विशाल खंड, हजरतगंज, चौक, चिनहट, मॉल, सरोजनी नगर सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में थोड़ी देर के लिए बिजली आपूर्ति बाधित हुई। मौसम विभाग का कहना है कि 4 मई से एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से प्रदेश में फिर आंधी-तूफान और बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। इससे तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। इसका असर 6 मई तक बना रहेगा। उत्तर प्रदेश में पश्चिमी उत्तर प्रदेश से शुरू होकर इसका असर पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में अगले तीन दिनों तक बना रहेगा।

लखनऊ में सड़क हादसे में ज्योतिषी की मौत

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के कृष्णानगर थानाक्षेत्र में बाइक से घर जा रहे ज्योतिषी की रोड एक्सीडेंट में मौत हो गई। सिंगार नगर मेट्रो स्टेशन के नीचे हादसे का शिकार हो गए। वहां मौजूद लोगों ने इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जय प्रकाश नगर, कृष्णा नगर निवासी अनुराग शुक्ला (50) ज्योतिषी थे। दोस्त दिनेश अवस्थी ने बताया कि गुरुवार को अवस्थी लॉन में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। वहां से लौटते समय करीब 11 बजे सिंगार नगर मेट्रो स्टेशन के नीचे हादसे का शिकार हो गए। वहां मौजूद लोगों ने गंभीर हालत में लोकबंधु अस्पताल भिजवाया। जहां डॉक्टर उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। परिवार में पत्नी ऋचा शुक्ला और दो बेटियां हैं। दिनेश ने बताया कि परिवार पुलिस की सूचना पर पहुंचा था। अभी ये क्लियर नहीं हो पा रहा है कि अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी है या बाइक स्लिप हुई है। सिंगारनगर मेट्रो स्टेशन के नीचे अंडरपास का काम चल रहा है। जिसका सारा मटेरियल सड़क पर गलत तरीके से पड़ा है। उसमें भी बाइक स्लिप होने की संभावना है। अगर पुलिस घटनास्थल के सीसीटीवी चेक करेगी तो सब साफ हो जाएगा। निर्माण कार्य की वजह से वहां पहले भी कई लोग गिर चुके हैं। लेकिन विभाग कोई संज्ञान नहीं लेता।

लखनऊ में 76 केंद्रों पर 37 हजार से अधिक

अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

देशभर के मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित NEET-UG परीक्षा रविवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया और सभी केंद्रों पर सख्त जांच के बाद ही अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। लखनऊ में इस परीक्षा के लिए कुल 76 केंद्र बनाए गए थे, जहां 37 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया। परीक्षा केंद्रों पर सुबह से ही अभ्यर्थियों की भीड़ देखने को मिली। निर्धारित समय के अनुसार दोपहर 1:30 बजे सभी केंद्रों के गेट बंद कर दिए गए, जिसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को अंदर प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। परीक्षा दोपहर 2 बजे शुरू होकर शाम 5 बजे तक एक ही पाली में आयोजित की गई। परीक्षा के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिसमें मेटल डिटेक्टर से जांच, एडमिट कार्ड व पहचान पत्र का सत्यापन और सख्त निगरानी शामिल रही। इस वर्ष परीक्षा में कुल 180 प्रश्न पूछे गए, जो 720 अंकों के थे। इनमें बायोलॉजी से 90 प्रश्न जबकि फिजिक्स और केमिस्ट्री से 45-45 प्रश्न शामिल थे। परीक्षा का पैटर्न पूर्व निर्धारित था, लेकिन प्रश्नों के स्तर को लेकर अभ्यर्थियों की मिश्रित प्रतिक्रिया सामने आई।परीक्षा देकर बाहर निकले

अभ्यर्थियों ने बताया कि फिजिक्स का सेक्शन अपेक्षाकृत कठिन था, जिसमें कॉन्सेप्ट आधारित और समय लेने वाले प्रश्न अधिक थे। वहीं बायोलॉजी का भाग काफी लंबा था, जिससे उसे हल करने में अधिक समय लगा। केमिस्ट्री का स्तर मध्यम बताया गया, जिसमें कुछ प्रश्न सीधे एनसीईआरटी आधारित थे। हालांकि कई छात्रों का मानना है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार का पेपर थोड़ा आसान रहा, जिससे अच्छे अंक आने की संभावना बढ़ गई है। अभ्यर्थियों ने यह भी उम्मीद जताई कि इस बार कटऑफ और मेरिट लिस्ट बेहतर रह सकती है।कुल मिलाकर परीक्षा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई। अब सभी अभ्यर्थियों की नजरें रिजल्ट पर टिकी हैं, जो उनके मेडिकल करियर की दिशा तय करेगा।

हाथरस की 29वीं वर्षगांठ पर भव्य आयोजन

स्व. रामवीर उपाध्याय को श्रद्धांजलि और जन-उत्सव का माहौल

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

हाथरस। जनपद हाथरस की 29वीं वर्षगांठ रविवार को पूरे जनपद में उत्साह, श्रद्धा और गौरव के साथ उपाध्याय परिवार के सदस्यों द्वारा अपने कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों के साथ मनाई गई। मुख्य आयोजन श्री दाऊ जी महाराज मंदिर परिसर में संपन्न हुआ, जहां फूल बंगला सजावट, छप्पन भोग एवं विशाल प्रसादी वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।इस अवसर पर जनपद के जनक एवं पूर्व मंत्री स्वर्गीय रामवीर उपाध्याय को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके योगदान को विस्तार से याद किया।वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि स्व. रामवीर उपाध्याय का नाम हाथरस के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। उन्होंने उस समय की राजनीतिक परिस्थितियों में भी जनहित को सर्वोपरि रखते हुए साहसिक निर्णय लिया। बताया गया कि जब हाथरस को जनपद बनाने की मांग जोर पकड़ रही थी, तब उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती के समक्ष स्पष्ट रूप से यह शर्त रखी कि यदि हाथरस को जिला नहीं बनाया गया तो वह अपने पद पर बने रहना उचित नहीं समझेंगे।उनकी इस दृढ़ इच्छाशक्ति और त्यागपूर्ण निर्णय के चलते 3 मई 1997 को हाथरस को जनपद का दर्जा प्राप्त हुआ। वक्ताओं ने कहा कि यह केवल प्रशासनिक उपलब्धि नहीं थी, बल्कि क्षेत्र के लाखों लोगों की भावनाओं और विकास की आकांक्षाओं की जीत थी।कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन, आरती एवं धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने छप्पन भोग के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में महिलाओं, युवाओं एवं बुजुर्गों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली, जिससे यह आयोजन एक जन-उत्सव का रूप लेता नजर आया।कई वक्ताओं ने कहा कि स्व. रामवीर उपाध्याय का जीवन संघर्ष, सेवा और समर्पण की मिसाल है। उनके द्वारा किए गए प्रयासों के कारण ही आज हाथरस एक स्वतंत्र जनपद के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे उनके आदर्शों को अपनाते हुए समाज और जनपद के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं।अंत में आयोजकों द्वारा सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया और जनपद की उन्नति एवं समृद्धि की कामना की गई। कार्यक्रम का समापन प्रसादी वितरण के साथ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर पुण्य लाभ प्राप्त किया।इस दौरान सीमारामवीर उपाध्याय (अध्यक्ष जिला पंचायत), विनोद उपाध्याय, रामेश्वर उपाध्याय (ब्लॉक प्रमुख),चिराग उपाध्याय, निधि सारस्वत, के0के0 दीक्षित, गिरीश पचौरी, मुकेश दीक्षित, चंद्रपाल गोला, नंदकिशोर , रामा पहलवान, रामकिशन चौधरी ब्लॉक प्रमुख, विशाल सारस्वत,आकाश दीक्षित, वीरेश शर्मा, दीपक सारस्वत, समर सिंह जाटव, संजय डीएम, हेमंत गौतम, मथुरा प्रसाद गौतम, भगवती श्रोती, दिनेश दीक्षित, सतीश शर्मा, सुभाष शर्मा, कुंवर पाल जाटव पूर्व प्रधान, अरूण शर्मा, मनोज सोनी, पुष्पेंद्र प्रधान, सुधीर पचौरी, रामकुमार गौतम, अजय पचौरी, रविकिरन,डॉ0 गोपाल चौधरी, रामेश्वर सारस्वत , सत्यप्रिय आर्य ,प्रभाकर शर्मा, सत्यपाल मदनावत, शिव सिंह लोधी, आर0सी0गोला, आदि के अलावा हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

किशोर की शारदा नहर में डूबने से मौत हो गई

उन्नाव के औरास थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक 14 वर्षीय किशोर की शारदा नहर में डूबने से मौत हो गई। यह घटना शोभाखेड़ा गांव के पास हुई, जब किशोर अपने दोस्तों के साथ नहर में नहाने गया था। मृतक की पहचान लखनऊ के सहादतगंज निवासी असाज अहमद (14) के रूप में हुई है। बताया गया कि असाज अपने कुछ दोस्तों के साथ औरास क्षेत्र में आया था। रविवार सुबह वे सभी शारदा नहर में नहाने पहुंचे। नहाते समय असाज का संतुलन बिगड़ गया और वह नहर के तेज बहाव की चपेट में आ गया। उसके दोस्तों ने असाज को बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन नहर का तेज बहाव इतना अधिक था कि वे सफल नहीं हो सके। कुछ ही देर में असाज गहरे पानी में डूब गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग भी वहां जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल खोजबीन शुरू की और काफी मशक्कत के बाद किशोर का शव नहर से बाहर निकाला। इस बीच, घटना की सूचना असाज के परिजनों को दी गई। परिजनों के मौके पर पहुंचने पर बेटे का शव देखकर परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गई थी। हालांकि, परिजनों ने किसी भी प्रकार की कानूनी प्रक्रिया या पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। वे बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव को अपने साथ लखनऊ ले गए। थाना प्रभारी निरीक्षक संजीव कुशवाहा ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची थी, लेकिन परिजनों ने कोई कार्रवाई नहीं चाही।

पीडब्ल्यूडी के प्रस्ताव को प्रदेश सरकार से मंजूरी मिल गई

दो ग्राम पंचायतों को जोड़ने वाले पांच प्रमुख संपर्क मार्गों का तीन करोड़ 36 लाख 67 हजार रुपये से निर्माण होगा। पीडब्ल्यूडी के प्रस्ताव को प्रदेश सरकार से मंजूरी मिल गई है। इन मार्गों के निर्माण के लिए तीन से छह माह का समय तय किया गया है। दो ग्राम पंचायतों को जोड़ने वाले पांच प्रमुख संपर्क मार्गों का तीन करोड़ 36 लाख 67 हजार रुपये से निर्माण होगा। पीडब्ल्यूडी के प्रस्ताव को प्रदेश सरकार से मंजूरी मिल गई है। इन मार्गों के निर्माण के लिए तीन से छह माह का समय तय किया गया है। इंसेट-2

ये हैं प्रमुख मार्ग और निर्माण की लागत

-जगदीशपुर सुब्बाखेड़ा संपर्क मार्ग-26.10 लाख

-कनिकामऊ से भटपुरवा संपर्क मार्ग-29.10 लाख

-भरोसे का पुरवा से बोधीखेड़ा संपर्क मार्ग-81.62 लाख

-पाली से चिलौला मार्ग का नवनिर्माण-123.1 लाख

-लल्तूपुरवा से परियर संपर्क मार्ग-76.75 लाख

वर्जन....

दो गांवों को जोड़ने वाले प्रमुख मार्गों का प्रस्ताव तैयार कराया गया था। इनमें से पांच मार्गों के बजट को मंजूरी मिल गई है। तीन से छह माह में निर्माण कार्य पूरा करा लिया जाएगा। -हरदयाल अहिरवार, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी प्रांतीयखंड।

बस स्टॉप के पास तेज रफ्तार वाहन की टक्कर

असोहा थानाक्षेत्र के अनवरपुर गांव निवासी बृजकिशोर (52) किराना की दुकान किए थे। शुक्रवार की शाम दुकान का सामान लेने साइकिल से पारा मोड़ गए थे। रात करीब 7:30 बजे लौटते समय मौरावां-मोहनलालगंज मार्ग पर संडोली मोड़ के पास बस स्टॉप के पास पीछे से वाहन ने टक्कर मार दी। इससे बृजकिशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। बेटे आशीष और मनीष ने कालूखेड़ा स्थित निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराने के बाद लखनऊ ट्रॉमा सेंटर लेकर गए। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पति की मौत से पत्नी शीला, बेटा आशीष, मनीष और विकास बेहाल हैं। थानाध्यक्ष फूल सिंह ने बताया कि लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हुई है। वहीं शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। तहरीर आने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

लखनऊ-कानपुर रेल रूट पर रेलवे द्वारा स्लीपर बदलने का कार्य तेजी से जारी

उन्नाव में लखनऊ-कानपुर रेल रूट पर रेलवे द्वारा स्लीपर बदलने का कार्य तेजी से जारी है। इस महत्वपूर्ण कार्य के कारण कई ट्रेनों को रद्द करना पड़ा है, जिससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली, मुंबई, झांसी और फर्रुखाबाद जैसे प्रमुख रूटों पर चलने वाली कई ट्रेनें इससे प्रभावित हुई हैं, जिससे यात्रियों की यात्रा योजनाएं बाधित हुई हैं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह कार्य ट्रैक की मजबूती और ट्रेनों की सुरक्षित व तेज आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। पुराने और जर्जर स्लीपरों को हटाकर नए एचएनबी स्लीपर लगाए जा रहे हैं, जिससे ट्रैक की गुणवत्ता में सुधार होगा और भविष्य में ट्रेनों की गति बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस कार्य को जल्द पूरा करने के लिए 200 से अधिक रेलवे कर्मचारी दिन-रात काम कर रहे हैं। इंजीनियरों और तकनीकी कर्मचारियों की एक टीम लगातार ट्रैक पर मौजूद है, ताकि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य संपन्न किया जा सके।रेलवे विभाग ने बताया कि स्लीपर बदलने का यह कार्य अगले तीन से चार दिनों में पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद डाउनलाइन पर ट्रेनों का संचालन सामान्य रूप से बहाल हो जाएगा, जिससे यात्रियों को राहत मिलेगी। अधिकारियों ने यह भी जानकारी दी कि स्लीपर बदलने के बाद गंगा पुल पर ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाने पर भी विचार किया जा रहा है। यदि योजना सफल रही, तो आने वाले समय में तेजस, शताब्दी सहित अन्य प्रमुख ट्रेनें इस रूट पर अधिक गति से चल सकेंगी, जिससे यात्रा का समय कम होगा। हालांकि, वर्तमान में ट्रेनों के रद्द होने से यात्रियों को परेशानी हो रही है। रेलवे ने यात्रियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यह अस्थायी असुविधा भविष्य में बेहतर और सुरक्षित यात्रा के लिए आवश्यक है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की अद्यतन स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।

आरक्षण वर्गीकरण पर सियासी घमासान

ओम प्रकाश राजभर का अखिलेश यादव पर तीखा हमला

उत्तर प्रदेश में आरक्षण के सही वर्गीकरण को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है।ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव पर पिछड़ों और अति पिछड़ों के हक दबाने का आरोप लगाया है।राजभर ने कहा कि अब उनका समाज जागरूक होकर अपने अधिकारों के लिए मजबूती से खड़ा है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में इन दिनों आरक्षण के सही वर्गीकरण को लेकर बहस तेज हो गई है। इस मुद्दे ने राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है, और विभिन्न दलों के नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है। इसी कड़ी में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (SBSP) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है।ओम प्रकाश राजभर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए अखिलेश यादव की राजनीतिक शैली पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि सत्ता से बाहर होने के बाद अखिलेश यादव की बेचैनी साफ तौर पर दिखाई दे रही है। राजभर का आरोप है कि जो राजभर समाज कभी समाजवादी पार्टी की रैलियों में सिर्फ भीड़ जुटाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था, वही समाज आज अपने अधिकारों और सम्मान के साथ सत्ता में भागीदारी कर रहा है। उनका कहना है कि यही बदलाव समाजवादी पार्टी के नेतृत्व को असहज कर रहा है।राजभर ने अपने बयान में यह भी दावा किया कि उन्हें राजनीतिक रूप से रोकने के लिए एक "चक्रव्यूह" रचा जा रहा है। उनके अनुसार, यह रणनीति विशेष रूप से पिछड़े और अति पिछड़े वर्गों को उनके अधिकारों से वंचित रखने के उद्देश्य से बनाई गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि आरक्षण का सही तरीके से वर्गीकरण किया जाए, तो इसका लाभ वास्तव में उन वर्गों तक पहुंचेगा जो इसके असली हकदार हैं। उनका मानना है कि ऐसा होने पर कुछ राजनीतिक दलों का सामाजिक आधार कमजोर हो सकता है।इसके अलावा, राजभर ने हाल के कुछ घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि राजभर समाज को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति एक नकारात्मक और तनावपूर्ण माहौल के कारण उत्पन्न हुई है, जहां लगातार किसी विशेष समुदाय के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। उन्होंने अखिलेश यादव से अपील की कि वे अपने समर्थकों से संयम बरतने के लिए कहें, ताकि समाज में सौहार्द बना रहे और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके।ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी की पूर्व सरकार पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उस दौरान पिछड़ों, अति पिछड़ों और दलितों के अधिकारों की अनदेखी की गई थी। उनके अनुसार, इन वर्गों को उनका उचित प्रतिनिधित्व और लाभ नहीं मिला, जिसके कारण अब उनमें जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राजभर समाज अब पहले की तरह चुप रहने वाला नहीं है, बल्कि अपने अधिकारों के लिए मजबूती से खड़ा है।अंत में, राजभर ने यह संदेश देने की कोशिश की कि उनका समाज अब किसी भी प्रकार के राजनीतिक दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि सामाजिक और राजनीतिक हिस्सेदारी के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा, और वे अपने समुदाय के अधिकारों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाते रहेंगे।

बच्चों को रेस्क्यू करने के लिए सेना की मदद लेनी पड़ी

यूपी के सिद्धार्थनगर जिले में पानी की टंकी पर फंसे दो बच्चों को रेस्क्यू करने के लिए सेना की मदद लेनी पड़ी। दरअसल, पांच बच्चे पानी की टंकी पर चढ़े थे। इसी दौरान सीढ़ी जर्जर होने की वजह से टूट गई। सीढ़ी टूटने की वजह से तीन बच्चे नीचे गिर गए, जिसमें से एक की मौत हो गई, जबकि दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं दो बच्चे पानी की टंकी पर ऊपर ही फंसे रह गए। दोनों बच्चों को सेना के हेलीकॉप्टर की मदद से नीचे उतारा गया। पुलिस ने बताया कि सिद्धार्थनगर शहर में कांशीराम कॉलोनी में रहने वाले पांच लड़के शनिवार को करीब 30 साल पुरानी और जर्जर हो चुकी पानी की टंकी पर चढ़ गए थे। उन्होंने बताया कि लड़के जब नीचे उतर रहे थे तभी टंकी की सीढ़ी अचानक ढह गई, जिससे उनमें से तीन लड़के नीचे गिर गए, जबकि दो अन्य सीढ़ी टूटने की वजह से ऊपर ही फंसे रह गए। पुलिस ने बताया कि टंकी के ऊपर फंसे दो लड़कों को नीचे उतारने के लिए वैकल्पिक रास्ता बनाने की कोशिश की जा रही थी। हालांकि बारिश के चलते व्यवधान उत्पन्न हो रहा था। इसके बाद गोरखपुर से वायु सेना का हेलीकॉप्टर मंगवाया गया और हेलीकॉप्टर की मदद से दोनों लड़कों को रविवार सुबह सकुशल नीचे उतारा गया। पुलिस ने बताया कि घायल हालत में पड़े गोलू (12), सनी (14) और सिद्धार्थ (10) को मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां सिद्धार्थ को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया जबकि गोलू और सनी की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें गोरखपुर के बड़े अस्पताल में रेफर कर दिया गया है।

सड़क पर गिरे विद्युत पोल से टकराकर बाइक सवार युवक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

सासनी क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 30 वर्षीय युवक की जान चली गई। गुरूवार को आई भीषण आंधी के कारण श्रद्धा नगला गांव में एक भारी-भरकम विद्युत पोल टूटकर सड़क पर गिर गया था, जिससे शनिवार दोपहर एक बाइक सवार टकरा गया। इस हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। और उसको सीएचसी उपचार के लिए लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उससे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद मृतक के परिवार में चीख-पुकार मच गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम छौंड़ा निवासी अनिल (30 वर्ष) पुत्र प्रताप सिंह उर्फ पप्पू फौजी शनिवार दोपहर अपनी बाइक से सासनी से वापस अपने गांव लौट रहा था। जैसे ही वह श्रद्धा नगला के पास पहुंचा, सड़क पर पहले से गिरे हुए बिजली के पोल से उसकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। अनिल गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीण आनन-फानन में उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सासनी पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अनिल अपने पीछे तीन मासूम बेटों और पत्नी को छोड़ गया है, वह मजदूरी कर परिवार का पेट पालता था।ग्रामीणों में इस घटना को लेकर भारी रोष व्याप्त है। स्थानीय निवासी दिनेश कुमार का आरोप है कि गुरूवार को आंधी में पोल गिरने के तुरंत बाद 1912 पर विद्युत विभाग को शिकायत दर्ज कराई गई थी, लेकिन दो दिन बीत जाने के बाद भी पोल को रास्ते से नहीं हटाया गया। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। इधर, विद्युत विभाग के एसडीओ ने मामले पर सफाई देते हुए इसे एक दुर्भाग्यिपूर्ण दुर्घटना करार दिया है। उनका कहना है कि दैवीय आपदा के कारण क्षेत्र में कई पोल गिरे थे, जिन्हें बदलने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने तर्क दिया कि पोल सड़क पर पड़ा था और स्पष्ट दिखाई दे रहा था, इसलिए यह एक सड़क दुर्घटना है। अधिकारी ने बताया कि सरकारी प्रक्रिया और संसाधनों की कमी के कारण पोल बदलने में समय लगा, हालांकि कस्बे की सप्लाई बहाल करने के बाद अब ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। कल सुबह तक संबंधित क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति सुचारू कर दी जाएगी।

गंगा नदी में मुंडन संस्कार के दौरान 6 लोग डूब गए

प्राप्त जानकारी के अनुसार, फेफना थाना क्षेत्र के कल्याणीपुर गांव निवासी वशिष्ठ चौहान अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ मुंडन संस्कार के लिए शिवरामपुर घाट पहुंचे थे। धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होने के बाद सभी लोग गंगा स्नान कर रहे थे। इसी दौरान अचानक 4 किशोरियां गहरे पानी की ओर बढ़ गईं और डूबने लगीं। उन्हें बचाने के प्रयास में मौके पर मौजूद 2 युवक भी नदी में कूद पड़े। हालांकि, गंगा के तेज बहाव और अधिक गहराई के कारण वे भी खुद को संभाल नहीं सके और हादसे का शिकार हो गए। इस दुखद घटना में जान गंवाने वालों में गाजीपुर जिले के कल्याणीपुर निवासी मुरारी चौहान के 20 वर्षीय पुत्र अर्जुन चौहान, मोहन चौहान के 19 वर्षीय पुत्र अरूण चौहान तथा बलिया जिले के रामपुर भोज, रतसड़ गड़वार निवासी अजीत चौहान की 19 वर्षीय पुत्री हर्षिता चौहान और 14 वर्षीय नंदिता चौहान शामिल हैं। अन्य दो लोगों की तलाश जारी है, जिनके बारे में आशंका जताई जा रही है कि वे भी डूब गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। राहत और बचाव कार्य के लिए गोताखोरों की टीम को तुरंत लगाया गया, जो लगातार नदी में लापता लोगों की तलाश कर रही है। इस हादसे से पूरे क्षेत्र में मातम का माहौल है और पीड़ित परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि नदी में स्नान करते समय पूरी सावधानी बरतें और गहरे पानी में जाने से बचें, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।